DADHEECH INTERNATIONAL
TRADE FOUNDATION INITIATIVE

DADHEECH INTERNATIONAL
TRADE FOUNDATION

Amalgamation of Learning
kaleidoscope of thoughts and vision

Imprint

DITF BULLETIN

वर्ष-2 | अंक-14 | फरवरी-2022

OUR MOTTO
Sharing is Caring

Get The Latest Scoop
ON THIS MONTH'S TRENDS

FEBRUARY EDITION

संपादक
डॉ. तरुणा दाधीच

फाउंडर प्रेसिडेंट
देवेश दाधीच

प्रकाशक
शोभा दाधीच

E-mail- dadheech@ditfindia.org

DADHEECH INTERNATIONAL TRADE FOUNDATION

सम्पादकीय आलेख

निज अनुशासन

जीवन में फिर एक कठिन दौर आ गया है। कोरोना की तीसरी लहर ज्यादा घातक तो नहीं, पर हमने सावधानी छोड़ी तो वह कष्टकारी हो सकती है ।अब जरूरत है निज अनुशासन की। जहां निज अनुशासन होगा वहाँ चिंता, दुख ,हताशा,क्रोध नहीं टिक पाएगा ।ओशो की उक्ति ने बहुत प्रभावित किया है कि कोई व्यक्ति अगर धैर्य पूर्वक उदास हो सके तो तत्काल ही पाएगा कि एक सुबह उसके हृदय के अनजाने स्त्रोत से प्रसन्नता के रस धारा बहने लगी है। और प्रसन्नता की इस धारा को हम अभिव्यक्त कर आनंदित हो सकते हैं। बसंती बयार के साथ फरवरी माह का आगमन आनंद का सूचक है । आपके आनंद मनोरंजन और ज्ञानवर्धन डीआईटीएफ हेतु कृत संकल्प है। दिसंबर माह में आयोजित क्रिकेट लीग के सफल आयोजन के अपार शुभकामना संदेश उत्साहित कर रहे हैं । लैंगिक विभिन्नता और क्रिप्टोकरेंसी पर वेबिनार, गणतंत्र दिवस का आयोजन युवाओं में चेतना ला रहे हैं। डीआईटीएफ ने कुछ नए विषयों पर कार्य प्रारंभ किया है युवाओं के लिए अखिल भारतीय सम्मेलन 30 मार्च :शहीद दिवस' को मनाया जाएगा, इच्छुक प्रतिभागी संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

डीआईटीएफ वर्चुअल क्लब, बुक क्लब कीशुरुआत कर चुका है जिससे दाधीच युवा लाभ उठा रहे हैं। आप भी अपनी सहभागिता प्रदान कर सकते हैं। आप अपना व्यवसाय बताना चाहते हैं या अपना ब्रांड बताना चाहते हैं तो डीआईटीएफ के साथ जुड़े। शुभकामनाओं के साथ ।।

शुभम् भवतु।।

संपादक की कलम से......

डॉ.तरुणा दाधीच
मुख्य संपादक

यदि डीआईटीएफ बुलेटिन में विज्ञापन देना चाहते हैं तो आपका स्वागत हैं ।

विज्ञापन मूल्य कुछ इस प्रकार रहेगा-

एक चौथाई भाग-	5000/-
आधा भाग-	7,500/-
सम्पूर्ण पृष्ठ-	11,000/-

आपका विज्ञापन आपके प्रतिष्ठान से सभी को परिचित करवाएगा।

डीआईटीएफ के यू-ट्यूब चैनल को सब्सक्राइब कर आप सभी कार्यक्रम देख सकते हैं।

SUBSCRIBE TO OUR VIDEOS ON
YouTube

डीआईटीएफ हेतु गणमान्य बंधुओं द्वारा प्रेषित शुभकामनाओं के कुछ अंश.....

मेरे लिए ये अनमोल यादगार पल आपके सफल प्रयासों का परिणाम है। हमने भी इन यादगार पलों का भरपूर आनंद लिया है। आपने जयपुर में प्रथम क्रिकेट लीग आयोजित करके जयपुर को विश्व दाधीच पटल पर चमकने का अवसर प्रदान किया है, आपका कोटि कोटि आभार। हमारे लायक कोई भी कार्य हो तो कृपया अवश्य अवसर प्रदान करें।

सुबोध दाधीच, अध्यक्ष
श्री दाधीच समाज जयपुर

डीआईटीएफ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा समाज के लिए जो कार्य किया जा रहा है वह बहुत सराहनीय कार्य है। इस ऑर्गेनाइजेशन द्वारा जो भी सामाजिक कार्यक्रम कराए जा रहे हैं, उसके लिए उनकी पूरी टीम बहुत मेहनत कर रही है। अभी फिलहाल में डीआईटीएफ ऑर्गेनाइजेशन को रजिस्टर्ड कर इनकम टैक्स फ्री करा दिया गया है उसमें जो भी दो डोनेशन देगा उनको 80C के तहत उनकी इनकम में पूरी छूट मिलेगी जिससे वह पैसा समाज हित के लिए काम आ सकेगा। उसके लिए मैं देवेश जी सर और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं और समाज हित के लिए आपको हमारी किसी भी प्रकार की जरूरत हो तो हम सामाजिक कार्यक्रम के लिए सदैव उपस्थित रहेंगे व इसी के साथ डीआईटीएफ की पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद आप ऐसे ही समाज हित के कार्य करते रहें।

चिराग दाधीच
नगर अध्यक्ष, जिला दाधीच सेवा समिति, चित्तौड़गढ़

आपकी संस्था द्वारा समाज के रत्न और मोतियों को जोड़कर एक अमूल्य माला में पिरोने का काम आप कर रहे है। उसके लिए आपको साधुवाद है।समाज की प्रगति के लिए एक बहुमूल्य कार्य आप कर रहे है।समाज के रत्न याने वो लोग जिनपर समाज को गर्व होता है। उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों को आपने ढूंढ कर उनके लिए एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया उससे सभी को पता चला कि ऐसी ऐसी प्रतिभाएं भी हमारे समाज में है।साथ ही हमारे मोती याने युवाओं की प्रतिभा निखारने का काम भी आपने इस माध्यम से किया है, जो आगे हमारे समाज के रत्न बनेंगे युवाओं के लिए देश स्तर पर क्रिकेट मैचेस का आपने आयोजन करके युवा शक्ति एकत्रित करके उनको भी समाज से साथ जोड़ने का दूरदृष्टि भरा कार्य अपने किया है। जो कार्य आप कर रहे हो वो बहुत ही प्रसंशनीय है, औऱ आज के इस समय में बहुत जरूरी है,टेक्नोलॉजी के माध्यम से देश स्तर पर सम्पर्क का जरिया बढ़ाकर आप श्रेष्ठ समाज सेवा का कार्य आप कर रहे हो। इसके लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ। भविष्य में दिन प्रतिदिन आपके संपर्क का दायरे बढ़े और समाज निर्माण के लिए आपका सहयोग मिलता रहे ये मेरी शुभकामना है।

सत्यनारायण खटोड
अध्यक्ष, राज्य दाधिच समाज सेवा व विकास संस्था(महाराष्ट्र)

It is really admirable that the mission named as DITF, founded by CA Devesh Dadhich ji, Mumbai, has taken off very well. Within a small period of time, the DITF has successfully organised many webinars on contemporary, useful and interesting subjects, which were addressed by many experts on the subjects, from within Dadhich Society and participated by many descendants of Maharshi Dadhichi, a well organized monthly e-bulletin, and worth to mention a national level cricket tournament, a sport event exclusively for the participating teams from various cities, having players from Dadhich Society only. DITF has proved itself an undisputable platform for connecting the professionals, entrepreneurs, corporate executives and other personalities working in many other fields of careers notwithstanding the fact that our dadhich society has never shown solidarity on the national level ever before on any matter. I fervently wish that this mission achieves new heights in the years to come.

- B N Sharma, Advocate
Founder Secretary
Dadhich Samaj Seva Samiti (Regd.) Jodhpur
Founder Secretary
Maharshi Dadhichi Trust, (Regd.) Bangaluru

देवेश जी ओर DITF की संपूर्ण टीम को मेरी ओर से खुब बधाई

इस सफल आयोजन के लिए। इस आयोजन ने सभी आयु के सभी लोगों को प्रोत्साहन दिया है। भविष्य में सभी लोगों को ऐसे ही प्रेरित करते रहने के लिए ओर समाज के सभी देशों के सभी प्रान्तों से सभी लोगों को ओर सभी को जोडे रखने के लिए बहुत शुभकामनाएं। नये साल मे आगे बढ़ने ओर कुछ नया सिखाने के उद्देश्य से आगे बढ़े और कोई भी अपना टेलेंट बताना चाहते है तो ओर आगे बढ़ना चाहते है तो DITF के माध्यम से आगे बढ़ सकते है।

अखिल भारतीय दाहिमा ब्राह्मण महासभा युवा प्रकोष्ठ
की राष्ट्रीय कार्य कारिणी सदस्य

श्रीमति चंन्द्रकला सुंठवाल

आगे पृष्ठ पर पुनः जारी......

डी आई टी एफ क्रिकेट लीग
ने रचा नया इतिहास

-उमेन्द्र दाधीच
सम्पादक दैनिक दिव्यराष्ट्र

जयपुर में 24 से 26 , 2021को मुंबई निवासी देवेश दाधीच ने जयपुरिया स्कूल के मैदान में एक नया इतिहास लिखने का काम किया है। तीन दिन के इस शानदार कार्यक्रम ने यह बता दिया की हम दाधीच ब्राह्मण शास्त्र ओर शास्त्रार्थ के साथ क्रिकेट की पिच पर चौक छक्के लगाने में भी कम नही है। हमारे समाज में भी धोनी जैसे धुरंधर युवा है इस बात का अंदाज तो मुझे खेल के मैदान पर ही लगा लेकिन सबसे ज्यादा आश्चर्य तो उस दिन हुआ ज़ब दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन (डीआईटीएफ)के सयोजक देवेश दाधीच ने मुझे फोन कर इस प्रकार का आयोजन करने की इच्छा प्रकट की। प्रारम्भ में तो मुझे भी लगा है देवेश जी शायद यह इच्छा जोश ही जोश में प्रकट कर दी, लेकिन मुझे इस आयोजन के प्रति संदेह ही बना रहा इतनी बड़ी योजना वह भी केवल दाधीच समाज के ही दम पर कहाँ से आएंगे खिलाडी, कैसे होगी व्यवस्था ओर कैसे आएगी टीम? न जाने कितने प्रश्न आते गए और मैं स्वयं ही प्रश्नकर्ता ओर जवाब भी देने लगा लेकिन इन तमाम सवालों पर विराम उस दिन लग गया ज़ब देवेश जी जयपुर आगए और मैदान भी बुक करा गए अब मेरे मन में आयोजन को लेकर कोई प्रश्न नही था। बस अब सवाल उठ रहा था क्या मेरे समाज के युवाओं में क्रिकेट के कलाकार है? ज़ब आठ टीम खेलने के लिए तैयार हो गई तो इस प्रश्न का भी हल निकल गया । अब मेरे मन में सवाल था इन 8 टीम की परफॉर्मेंस को लेकर लेकिन ज़ब मैंने जयपुरिया क्रिकेट एकादमी के मैदान पर दाधीच युवाओं को चौके, छक्के लगाते और रन लेने के साथ ही शानदार कैच लेते और विकेट डाउन करते देखा तो मन कहने लगा मेरे समाज में भी अनगिनत धोनी जैसे खिलाड़ी हैंऔर अच्छे प्रबंधक है, बस उन्हें मोके की जरूरत है ज़ब मैदान पर जय दधीचि, जय पिपलाद जैसे ओजस्वी घोष सुने तो लगा देवेश जी की बात में दम है और दाधीच समाज में भी खेल के प्रति समर्पण है। इस आयोजन में मुझे ज़ब भी सार्वजनिक रूप से बोलने का अवसर मिला तो एक ही बात पर मेरा जोर रहा, आयोजन प्रति वर्ष हो या तो कार्य शुरू ही नहीं हो और ज़ब हो गया तो निर्बाध रूप से प्रति वर्ष हो । **आयोजकों ओर सभी खिलाड़ियों को शुभकामना।**

RNI No. RAJBIL/2017/73028 Pos. Reg. Jaipur city/405/2020-22

हिन्दी/अंग्रेजी मासिक पत्रिका

दधिमती क्रान्ति

Dadhimati Kranti

वर्ष-5 | अंक- 08 | प्रकाशित तिथि - 10 जनवरी 2022 | जयपुर | कुल पेज-20 | मूल्य-20 रु.

जयपुर में दाधीच लीग का हुआ सफलतापूर्वक आयोजन

जयपुर। दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन के तत्वधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन जयपुरिया क्रिकेट एकैडमी ग्राउंड पर हुआ। इस प्रतियोगिता में देश भर की 8 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन सेमीफाइनल क्रिकेट मैच के आयोजन किये गये जिसमें महर्षि पिपलाद एकेडमी और निकुंज स्ट्राइकर की टीम ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया तत्पश्चात

महर्षि पिपलाद ऐकडमी की टीम फर्स्ट रनरअप रही और रू 50000 का पुरस्कार प्राप्त किया जबकि विजेता टीम को रू 100000 का पुरस्कार दिया गया और इन दोनों टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को ट्रॉफी और मैडल देकर सम्मानित किया गया। मैन ऑफ द सीरीज का खिताब पिपलाद एकेडमी टीम के सदस्य पुनीत दाधीच को मिला और पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी डीआईटीएफ की ओर से तथा 5000 नगद पुरस्कार राशि श्रीमती और श्री गिरिराज जी दाधीच द्वारा दी गई।

इस क्रिकेट लीग से जुडे देवेश दाधीच ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व आईएएस अधिकारी मनोज शर्मा एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी राजेंद्र जोशी ने इस इस आयोजन में स्कॉटलैंड से प्रत्यूष दाधीच ने अपनी टीम का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कोयंबटूर से गोपाल दाधीच, बीएम फूड्स,मुम्बई के राजेंद्र शर्मा,मुंबई से ही राजेश दाधीच,सुशील दाधीच, जलगांव से भाग्येश दाधीच और जयपुर से अशोक आसोपा, देवकीनंदन दाधीच, नंद नारायण मिश्र,उमेन्द्र दाधीच, गिरिराज शर्मा,गिरिजा शर्मा, महेश तिवाडी, सुबोध दाधीच पंडित विष्णु दाधीच (टोरडी), सुदीश कुमार दाधीच, मनीष शर्मा,राम दाधीच,नितेश कुमार दाधीच,योगेश मिश्रा,रामस्वरूप दाधीच,आकाश शर्मा, विकास शर्मा और कई दाधीचबंधु उपस्थित थे। पुरस्कार वितरण के पश्चात डीआईटीएफ की ओर से देवेश दाधीच ने धन्यवाद ज्ञापित किया और अगले वर्ष का आयोजन सूरत में करने की घोषणा की।

दधिमती क्रांति टीम

Respecting elders is a necessity. Blessings of elders' work, where everything else fails

It is truly said that 'A Disrespectful person never earns respect for himself'. Respect for elders is one of the most important characteristic of any culture. This can be seen in all its glory amongst the Japanese, considered to be one of the richest and most developed nation, respect for elders is one of the strongest pillars that have built up this tiny island nation. They have taken the best of the West and blended it smoothly with the best of the East. While adopting the latest technology from the West, they did not in any way give up their own traditions.

India too has an ancient culture in which respect for elders holds prime position. Even now, there are numerous joint families that are headed by an elder who may be in his nineties. Though long retired from actively holding the reins of the family, every child and grandchild is well aware of his position at the helm. A father who has taught his son to respect his grandfather can be sure that he will earn the respect of his grandchildren in future. A grandparent must be seen as a blessing and their respect and advice must be given top priority. Even though education is must, expertise always comes with experience. It is a matter of pride for all of us, as we come from a nation where even after so many technological advancements, values and traditions remain untouched. We still touch our elders' feet before going out for any work, no matter how long the day has been we still eat together as a family and most of all, we listen and follow their advice because for us, family comes before anything else. All these values have been imparted on to us generations after generations by our elders only. I find myself extremely lucky to have known and followed my grandfather, Late Shri Laxmipat Sharma ji, he taught me everything not just by words but through actions as well. Being an active social worker, head of a committee volunteer in RSS, he always thought it to be his responsibility to help those in need. He imparted the same values of respect, nobility and kindness to his children and grandchildren.

We must pass on the same values to future generations too as we cannot expect from others what we don't preach ourselves. Just as the new generation should respect the elders, so also the elders should conduct themselves with dignity. They should set up a positive example. After all respect cannot be demanded, it can only be commanded.

Arya Asopa

CA Final Student (Member, Virtual DITF Club)
New dehli

Shree Guru Ganpati Investment

Franchise of SMC Global Securities Limited

Contact Us for

- Investment &Trading in Stocks, Futures and Options
- NSE, BSE & Mutual Fund
- Online account opening available

Contact Details

Jitendra Dadheech
S/O Shri Ramesh Chandra Dadheech

(M) 9414354404

Address - D 206, Nai Abadi,
Kankroli Rajsamand, Rajasthan 313324

अपनों का साथ

-आर्या आसोपा

कल तक ज़िन्दगी बेरंग लग रही थी,
आज जीवन का सच समझ आया है।
कल तक जिनसे मुलाकात ना होती थी,
आज उन्ही में जीवन नज़र आया है।
यूँ तो पिंजरे में क़ैद पंछी भी खुश ही हैं,
पर आज़ादी का सही मतलब अब समझ आया है।
यूँ तो खुशियाँ जीवन में बोहोत हैं,
पर उन ख़ुशियों में सुकूं का मतलब अब समझ आया है।
परिवार तो कल भी वही था मेरा,
पर उसका महत्व अब नज़र आया है।
ज़िन्दगी जीने में तो कोई बड़ी बात नहीं,
पर उस ज़िन्दगी का अर्थ अब नज़र आया है।
सब अच्छा होगा तू हौसला रख,
रोज़ खुदा पे भरोसा और खुद पे विश्वास रख,
बुरा वक़्त जितना भी बुरा हो निकल ही जाता है,
ना दिखे उम्मीद, फिर भी तू जीने की चाह रख।
और बिता ले कुछ दिन अपनो के साथ,
ये पल फिर लौट कर नहीं आता है।
सब के जीवन के लिए दुआ कर,
ये वक़्त भी निकल ही जाता है।।

डीआईटीएफ वुमन विंग द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम की झलकियां..

टाइम नहीं है

-मनोज शर्मा
जिला कलक्टर

'समय नहीं है'! 'टाइम नहीं है'!

जिधर देखो देखो उधर आपाधापी।पता नहीं किस बात की।दो मिनट तक तसल्ली से बात करने का सोचो भी और बोलो भी तो उत्तर भी वही रटारटाया कि 'टाइम ही नहीं मिलता'।

तो सोचता हूं टाइम ही नहीं मिलता तो यह टाइम जाता कहां है?अच्छा, जिस से पूछे उसी को यह टाइम नहीं मिलता है तो फिर मिलता किसे है। मजेदार बात यह है कि यह टाइम चाहिए किसी को नहीं क्योंकि जब भी यदि मिल जाए तो उसके लिये टाइम है ही किसके पास। फिर भी हर टाइम इसके नहीं मिलने की शिकायत।

एक और बात कि टाइम मिलाते सब हैं, जो मिलता नहीं उसे मिलाते हैं। आश्चर्य है! पूछो तो 'भाई साहब! अभी जल्दी में हूं बात नहीं कर सकता, किसी से समय मिला रखा है।'

मैं भी बिना ध्वनि के टिप्पणी कर देता हूं मन ही मन, कि कभी मिलामिलाया भी मंगवा लो समय को।

जो मिलता नहीं वह चलता भी है। और सबको नजर भी आता है। यह जवाब तो आप अक्सर सुनते ही होंगे 'यार! टाइम खराब चल रहा है।' दूसरा हित चिंतक सांत्वना देता है 'धीरज रखो, आएगा आएगा! अच्छा टाइम भी आएगा।' अर्थात यह कोई श्रमण करने वाली वस्तु है जो आती-जाती भी रहती है। एक रूचिकर बात और है कि यह सुनाई किसी को देता नहीं फिर भी बजता है।

'भाई साहब! चार बज गए हैं।अब चलता हूं।' जिन्होंने यह कहा, मैंने उनसे जिज्ञासावश पूछा कि 'आपने कहा कि चार बज गए हैं तो क्या आपके कानों में अलग से बजे हैं? मुझे तो सुनाई नहीं पड़ा।'

तो वे सज्जन सकपकाए, अपनी अचानक उत्पन्न हुई अज्ञानता पर अनमनाए,
फिर तुरंत उत्पन्न हुई जैसी बुद्धि पर गर्वित हो, होठों पर रहस्यमई मुस्कुराहट लाते बोले
'बंधुवर! यह टाइम या समय, कुछ भी कह लो। इसका बजना सुनाई भले ही न देता हो पर यह
किस-किस का बाजा बजा देता है पता ही नहीं लगता। कि कब शकल पर दस बज गए और कब बारह!
यह कहते वे खिसखिसाते हुए, कुछ बुदबुदाते हुए 'टाइम फ्रेम' में से निकल लिए।

'तुलसी नर का क्या बड़ा समय बड़ा'।

क्रमशः....

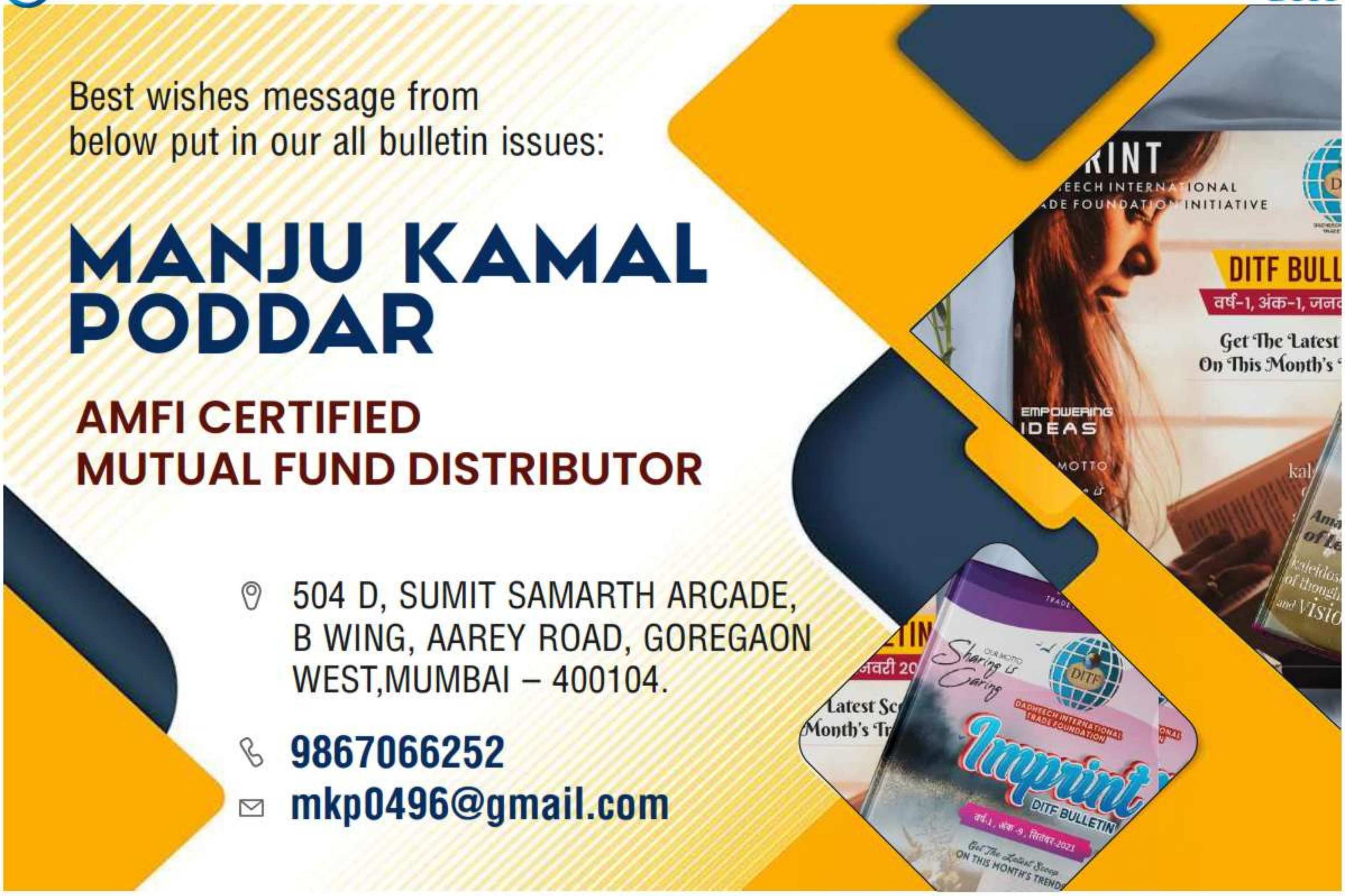
Best wishes message from
below put in our all bulletin issues:
MANJU KAMAL
PODDAR
AMFI CERTIFIED
MUTUAL FUND DISTRIBUTOR
504 D, SUMIT SAMARTH ARCADE,
B WING, AAREY ROAD, GOREGAON
WEST,MUMBAI – 400104.
9867066252
mkp0496@gmail.com

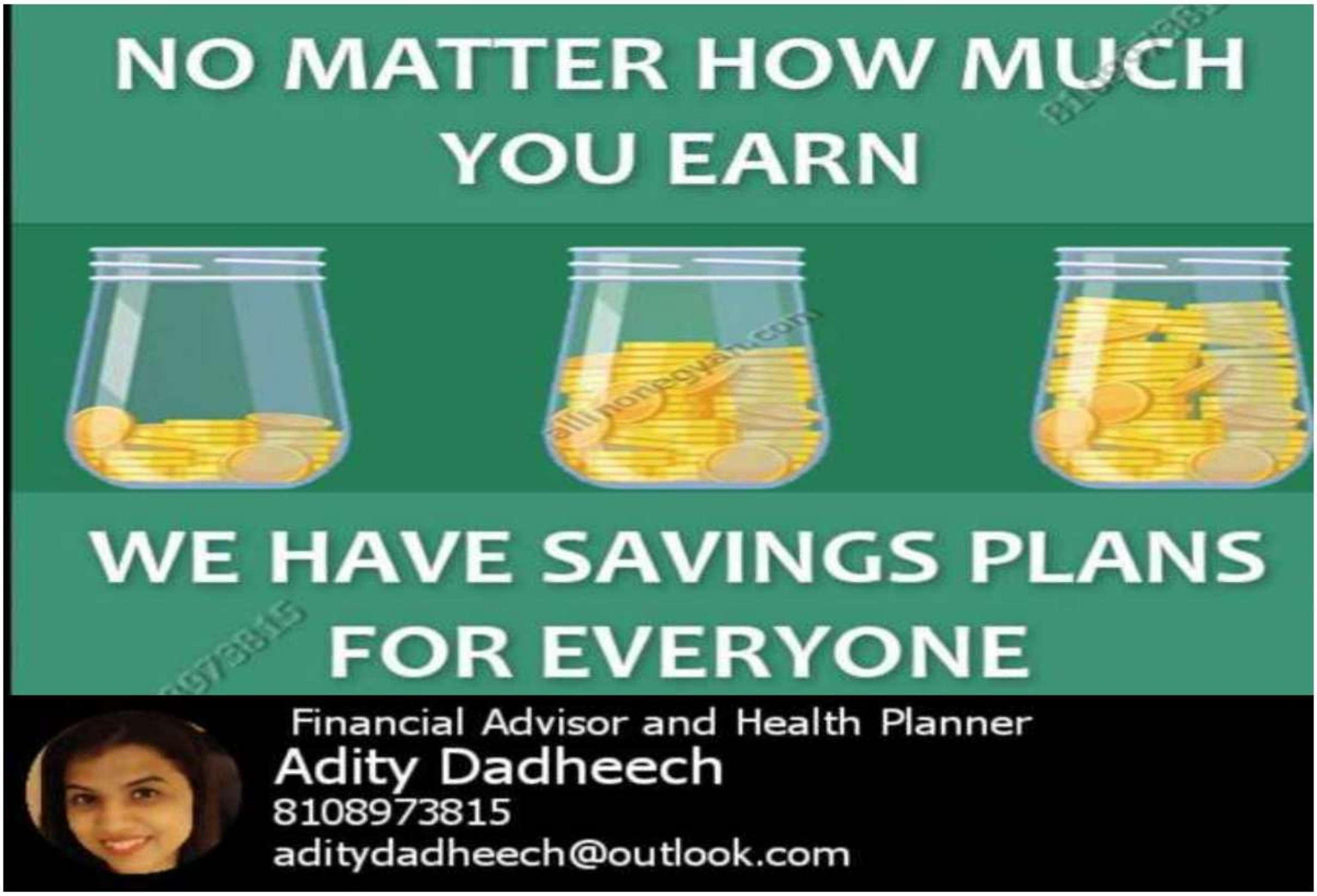
NO MATTER HOW MUCH
YOU EARN
WE HAVE SAVINGS PLANS
FOR EVERYONE
Financial Advisor and Health Planner
Adity Dadheech
8108973815
aditydadheech@outlook.com

O! My Mother

- Mrs. Priyanaka Sharma
Hyderabad

O! My Mother,
What should I do
to depict you?
Should I compare thee
to the Sun which burns
itself, lightening others;
OR to the River which is
the other name of life
for thirsty travellers?
You are the Ocean
If I am a thirst,
You are the Oasis
If I am a desert.
You are my God
You are my Lord.
Whenever I feel myself
all alone in the miseries
and uncertainties
of this World,
It is YOU and only YOU
who can give again
Life to Me!

खेला भी जीता भी दाधीच

राजेश शर्मा
अध्यक्ष, दाधीच समाज मुम्बई

आज के दौर में जब हमारा समाज भारी नकारात्मकता के दौर से गुजर रहा है वहीं पर हमारे मुंबई के बड़े भाई श्री देवेश दाधीच जी ने DITF के माध्यम से क्रिकेट के द्वारा युवाओं को एक सूत्र में पिरोने का जो काम किया वह काबिले तारीफ है।

***मेरी और देवेश जी की सोच एक ही दिशा में जाती है कि हम समाज के युवाओं को अधिक से अधिक जोड़कर मुख्यधारा में लायें। उनमें आपस में संवाद और सामंजस्य स्थापित कर सकें।**
निकट भविष्य में भी युवाओं के लिए जो भी कार्यक्रम DITF के द्वारा होंगे उसके लिए मुंबई दाधीच समाज का सहयोग मिलता रहेगा।

DITF की पूरी टीम को सफल आयोजन की बधाई।

DADHEECH INTERNATIONAL
TRADE FOUNDATION

सम्मानीय बन्धुओं से आग्रह है बुलेटिन के लिए
अधिक से अधिक रचनाएँ प्रेषित करें।

यह पत्रिका निःशुल्क है, परिजनों को भी भेजें और
नए पहलुओं से परिचय करवाएं।

E-mail- ditfindia@gmail.com

YASHRAJ CREATIONS, 98294 46940